

**अतीन्द्रियवादी** वि. (तत्.) अतीन्द्रियवाद पर विश्वास रखने वाला अथवा उसका समर्थक।

**अतीत** वि. (तत्.) 1. गत, व्यतीत, बीता हुआ, गुजरा हुआ 2. भूतकाल क्रि.वि. (तत्.) परे, बाहर।

**अतीतना** अ.क्रि. (तत्.) 1. बीतना, गुजरना 2. त्यागना स.क्रि. (तद्.) बिताना, व्यतीत करना, विगत करना, छोड़ना, त्यागना।

**अतीतागत** वि. (तत्.) बीते हुए समय से या भूत काल से वर्तमान तक का, भूतकाल और वर्तमान काल।

**अतीतान्धि** वि. (तत्.) 1. सूखा हुआ समुद्र, ताल या झील 2. संग्रह या भंडार आदि 3. अतीत रूपी सागर।

**अतीतावलोकन** पुं. (तत्.) पहले बीत चुकी घटनाओं को देखने का भाव या इनका स्मरण, भूतकालीन किसी घटना की झलक, पूर्व दृश्य flash back

**अतीति** स्त्री. (तत्.) आधिक्य, प्राचुर्य।

**अतीदिव्य दृष्टि** वि. (तत्.) नेत्र के द्वारा न होकर ध्यान या मनन के द्वारा देखने की शक्ति, अप्रत्यक्ष दृष्टि, अगोचर, सांख्य शास्त्र की दृष्टि में जीव या पुरुष, (परमात्मा) की दृष्टि, वेदांत में मन की दृष्टि।

**अतीव** वि. (तत्.) अधिक ही, ज्यादा, बहुत, अतिशय, अत्यंत।

**अतीस** स्त्री. (तत्.) एक पौधा जिसकी जड़ दवा के काम आती है, अतिविशा, विशा।

**अतुंग** वि. (तत्.) 1. जो ऊंचा या लंबा न हो 2. ठिगना।

**अतुकांत** वि. (देश.) तुक रहित कविता जिसके चरणों में तुक या अंत्यानुप्रास न हो।

**अतुराई** स्त्री. (तद्.) आतुरता, व्यग्रता, शीघ्रता, जल्दीपन।

**अतुराना** अ.क्रि. (तद्.) आतुर होना, घबड़ाना, हड़बड़ाना, जल्दी करना।

**अतुल** वि. (तत्.) 1. जिसकी तौल संभव न हो 2. जिसकी तुलना न हो सके 3. बेजोड़, अद्वितीय 4. अमित 5. असीम, अपार।

**अतुलनीय** वि. (तत्.) 1. जिसकी तुलना न हो सके 2. अनुपम, बेजोड़, अद्वितीय 3. अपरिमित, अपार, बहुत अधिक 4. अनुपम बेजोड़, अद्वितीय।

**अतुलित** वि. (तत्.) 1. बिना तौला हुआ, बे अंदाज 2. अपरिमित, अपार 3. बहुत अधिक।

**अतुल्य** वि. (तत्.) 1. अतुलनीय, असमान 2. असदृश 3. अनुपम, बेजोड़, अद्वितीय, निराला।

**अतुल्ययोगिता** स्त्री. (तत्.) वह अलंकार जिसमें कई वस्तुओं का धर्म समान होने पर भी (तुल्ययोगिता की संभावना दिखाई पड़ने पर भी) किसी एक अभीष्ट वस्तु का विपरीत धर्म (गुण) बतलाकर उसकी विलक्षणता दिखाई जाए।

**अतुष** वि. (तत्.) तुष अर्थात् भूसी रहित, बिना भूसी का।

**अतुषार** वि. (तत्.) जो ठंडा न हो पु. तुषार या तुहिन के न होने की स्थिति।

**अतुष्टि** स्त्री. (तत्.) अतृप्ति, असंतोष, असंतुष्टि।

**अतुष्टिकर** वि. (तत्.) असंतोषजनक।

**अतुहिन** वि. (तत्.) 1. बिना ओसवाला 2. बिना (प्राकृतिक) हिम वाला 3. बिना कोहरे वाला।

**अतुहिनकर** वि. (तत्.) जिससे हिम, बरफ या पाला न पड़े, ठंड या शीतलता कम करने वाला।

**अतृणाद** पुं. (तत्.) तृण या घास न खा पाने वाला तुरंत का जन्मा बछड़ा।

**अतृप्त** वि. (तत्.) 1. जो तृप्त न हो, जो संतुष्ट न हो, असंतुष्ट, जिसका मन भरा न हो 2. जिसकी भूख न मिटी हो।

**अतृप्ति** स्त्री. (तत्.) असंतोष, तृप्त न होने अथवा मन न भरने की अवस्था।

**अतृष्ण** वि. (तत्.) 1. तृष्णारहित, निस्पृह, कामनाहीन।